

यंग माइंड्स करें सोशल इश्यूज पर काम

सिटी रिपोर्टर ■ लोग कहते हैं कि गवर्नमेंट सेक्टर में संभावनाओं की कमी है, लेकिन ऐसे कई सेक्टर हैं, जहां लोग ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। शनिवार को जे.के. लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी की ओर से हुए कार्यक्रम 'स्टार्टअप मास्टर क्लास' और अटल इंक्यूबेशन सेंटर की स्थापना में डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के कमिशनर अमरीश कुमार ने विचार रखे। उन्होंने कहा, यंग माइंड्स को लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखकर स्टार्टअप करना चाहिए। कार्यक्रम नीति आयोग एवं आईआईटी कानपुर एलुमिनी एसोसिएशन के सहयोग से हुआ। इसमें पर जेकेएलयू के प्रो. वाइस चांसलर आशीष गुप्ता भी मौजूद रहे।

भारत में लोग पुराने ढर्रे पर करते हैं काम:
अमरीश ने कहा, भारत में अधिकतर लोग सिर्फ कल्चर को फॉलो करते हैं। डिवाइडर कट पर लोग 100-200 मीटर रॉन्ग साइड आते हैं। पाली में रहते हुए एक बार जब मैंने सिविल इंजीनियर से पूछा कि ये दो किलोमीटर के बाद क्यों कट दिया है, तो उसने जवाब दिया-सर कागजों में ऐसा ही लिखा है। मैंने कहा, दिखाओ, तो उसमें लिखा था सामान्यतः दो किलोमीटर रखा जाना चाहिए, जबकि इंजीनियर ने उसे एवरीटाइम समझ लिया।